केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ४ मार्च, २०१२ को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग परिचय : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०१२ **समय : दौपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुणांक : ७५**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन — दिनांक ☐☐ महीना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण (३८)		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण (३७)		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम संस्करण, फरवरी - १९९९

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''नहीं तो हम तुम से अक्षरधाम में मिलेंगे ।'

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''बताओ, इस स्त्री को तुम किस लोक से लाए ?''

३. ''कल सबेरे राजा तुम्हें दुबारा सूबेदार बनाएँगे ।''

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. गोरधनभाई को नमक और शक्कर एक समान हो गये थे ।

.....

.....

.....

.....

२. गरासियों ने गलुजी की माँ को भगवान के आशीर्वाद दिलवाने के लिए कहा ।

३. कड़वीबाई का पति बहुत कष्ट देता था ।

प्र. ३ 'नाजा जोगिया' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. सुंदरजीभाई वापस लौटे तब महाराज ने क्या करने को कहा ?

....

....

२. एकलव्य किस तरह धनुर्धर बना ?

३. किस के आचरण का अनुकरण करना धर्म है ?

४. स्वरूपानंद स्वामी ने खाद्य सामग्री के बारे में क्या कहा ?

५. बोचासण के काशीदास का हल चलाने की आज्ञा महाराज ने किस को दी ?

प्र. ५ 'हीरा किसी रीति से.....' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण** çÜç 1 **ए ।** **(५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. ते मंत्र जेना..

.... समरो सदाये ।

२. हम सभी स्वामी के .... मृत्यु के लिए ।

३. विधिशंभुमुखैर .... भजे सदा ।

४. ''गुणिनां गुणवत्तायाः .... यान्ति विदोऽप्यधः ॥'' – इस श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

विभाग - २ : प्रागजी भक्त - प्रथम संस्करण, नवम्बर - १९९८

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''देखो, अक्षर जा रहा है ।''

कौन कहता है ? .... किसको कहता है ? ....

कब कहता है ? ....

....

....

२. ''संन्यासी हो जाने के पश्चात् भी यदि हम भगवान को भूल गए तो संन्यासी होने से क्या लाभ ?''

३. ''मैं स्वामी को प्रसन्न करना चाहता हूँ ।''

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) **(६)**

१. नाववाला भक्तों की श्रद्धा एवं हिम्मत की सराहना करने लगे ।

.....

.....

.....

.....

२. प्रागजी भक्त की वियोग-अग्नि शान्त हो गई ।

३. प्रागजी भक्त ने गंदे पानी के गड्डे में छलाँग लगा दी ।

प्र. ९ 'भगतजी के संत कठिनाई में' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(५)**

१. अन्तिम अन्नकूट में भगतजी हरिभक्तों को दर्शन देते हुए क्या बोले ?

.....

.....

२. सत्संग से निष्कासित करने का पत्र जूनागढ़ आते ही प्रागजी भक्त कहाँ जाने को तैयार हो गए ?

३. भाद्रोड में संतों ने किस लिए कितने दिन के उपवास किए ?

४. भगतजी ने दीवानजी को क्या बनने का पाठ पढ़ाया ?

५. भगतजी के पास कितने घण्टें की सेवा थी ?

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । **(६)**

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. भगतजी महाराज के प्रसादीभूत गाँव कौन से हैं ?

(१) ☐ सारंगपुर (२) ☐ गढ़डा

(३) ☐ पीठवड़ी (४) ☐ पूना

२. भगतजी महाराज ने दिया हुआ सत्संग सुख ।

(१) ☐ चन्दन के साथ आलिंगन किया ।

(२) ☐ चरणारविंद दिये ।

(३) ☐ रोटला (रोटी) खिलाया ।

(४) ☐ रंगोत्सव किया ।

३. भगतजी महाराज ने कराया हुआ ऐश्वर्य दर्शन ।

(१) ☐ अंधे को आँखें दी ।

(२) ☐ समाधि में अक्षरधाम दिखाया ।

(३) ☐ नाग का विष उतारा ।

(४) ☐ हैजा का रोग ठीक किया ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **(६)**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के अमीन हरिभक्त आचार्य जटाशंकर ने अपने शिष्य मणीलाल भट्ट से कहा, ''यह जागा भक्त जैसे चमार खाँट के ऊपर बैठे हैं और आचार्य उसे दण्डवत् करते हैं ।''

उत्तर : जूनागढ में अपूर्व सम्मान : जूनागढ के **नागर** हरिभक्त **डॉ. उमियाशंकर** ने अपने **गुरु बालमुकुन्ददासजी** से **पूछा**, ''यह **प्रागजी भगत** जैसे **दरजी गद्दी के** ऊपर बैठे हैं और **संत** उसे दण्डवत् करते हैं ।''

१. **सद्‌गुरु गोपालानन्द स्वामी का संग :** गुणातीतानन्द स्वामी ने प्रागजी भक्त को समझाया, यदि तुम तप करके उनसे ज्ञान प्राप्त कर लो तो तुम व्यवहार में रहते हुए भी भगवान और संतों को भूल नहीं पाओंगे ।

उ. .....

.....

२. **शिष्य की योग्यता की परीक्षा :** जूनागढ़ मन्दिर में संतों की क्षौर क्रिया करनेवाला अमई नामका नाई ने भाव बढ़ा दिया, इसलिए गुणातीतानन्द स्वामी की आज्ञा से प्रागजी भक्त ने दो मास तक सब संतों की क्षौर क्रिया की ।

३. **साक्षात्कार :** पाँच वर्ष तक प्रागजी भक्त ने तन-मन की पूर्ण आहूति देकर स्वामी की सेवा की थी । स्वामी कृतकृत्य हो गये। स्वामीने उनको ध्यान में बैठ़ाकर पंद्रहवे दिन की रात को साक्षात्कार कराया ।

४. **अब मैं प्रागजी द्वारा प्रगट रहूँगा :** जूनागढ़ से निकलकर स्वामी बोले चालीस वर्ष, चार महीने और चौदह दिन रहा । अब गाँव गाँव हरिभक्तों के साथ सत्संग करुँगा और गोंडल जाकर रहूँगा ।

५. **सत्संग में पुनः प्रवेश :** कोठारी गोवर्धनभाई के भतीजे बेचर भगत ने हरिकृष्ण महाराज के सामने एक पैर पर खड़े होकर माला फिराई । छः मास में महाराज ने प्रसन्न होकर दर्शन दिए ।

६. **अहमदाबाद में ज्ञान-यज्ञ :** मैं तो केवल एकान्तिक हूँ । दो टाँके तोड़ता हूँ तो दूसरे दो टाँके लगाता हूँ । मैं जीव में से धन और काम की वासना निकालता हूँ और उसे भगवान और आचार्य से जोड़ता हूँ ।

* * *